श्री उपसभापति : आपको बुलाउंगा। आप सुन रहे हैं न। ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... आपको मैं कौन सी जुबान में बोलूं। बैठिए न, प्लीज। ...(**व्यवधान**)... मैं कह रहा हूं, आपको बुलाऊंगा। आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... आपको और कौन सी जुबान में बोलूं। इंगलिश में बोला, उर्दू में बोला, हिन्दी में बोला। ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)...

———

PAPERS LAID ON THE TABLE - *Contd.*

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM): Sir, I lay on the Table:

I. A copy (in English) of the Report of the Liberhan Ayodhya Commission of Inquiry constituted to inquire into a definite matter of public importance, namely, the destruction of the Ram Janma Bhoomi-Babri Masjid structure at Ayodhya on the 6th December, 1992, along with the memorandum of action taken thereon, under sub-section (4) of Section 3 of the Commission of Inquiry Act, 1952.

II. Statement (in English and Hindi) giving reasons for not laying the Hindi version of the Report. [Placed in Library, *See* No. L.T. 805/15/09]

...(Interruptions)

श्री अमर सिंह (उत्तर प्रदेश) : यह बहुत गलत काम कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... सर, यह बहुत गलत काम है। ये जय श्रीराम का नारा हाउस में क्यों लगा रहे हैं? ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The House is adjourned till 2 o' clock.

The House then adjourned at twenty minutes past twelve of the clock.

The House re-assembled at two of the clock,

[MR. CHAIRMAN in the Chair.]

OBSERVATION BY THE CHAIR

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, what happened in the House earlier today has caused me a great anguish and I am sure the whole House would share it. An unsavoury incident does not bring any credit to this House which has its own traditions and conventions which all the Members are aware of. As the House of Elders, we are expected by the public to set certain standards. I hope, all of us will think about it and try to find better ways of conducting our business. Since we have lost some time, we will sit late today to complete the business of the House.

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL): Sir, the Government shares the sentiments expressed by Mr. Chairman about what happened today morning. Sir, it is together that we all have to preserve, maintain and enhance the dignity and prestige of the House through our conduct in the House. Sir, there will always be occasions when difference of opinion may arise, they manifest themselves, or, they may exist already amongst different Members, different sections of the society and the political spectrum. But, it is again together that we have to resolve those through democratic means, through

the accepted parliamentary norms and I am sure, Sir, all sections of the House would regret on what has happened today. We share your anguish and this should be an occasion for all of us to rededicate ourselves for upholding the noble and lofty principles of Parliamentary democracy.

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI ARUN JAITLEY): Mr. Chairman, Sir, we share the sentiments, as expressed by you, in its entirety. This House is a forum where even conflicting opinion, and at times viciously conflicting opinion, have to be resolved by the forum of debate and that debate has to be carried on keeping in mind all norms of Parliamentary practices and dignity. What happened today seems to deviate from that. I share the sense of regret which the hon. Parliamentary Affairs Minister has expressed. I assure you, on this side, that we will do our utmost to keep those norms of dignified behaviour in mind while debating.

श्री अमर सिंह (उत्तर प्रदेश) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके क्षोभ से सहमत हूं और जो माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ने कहा है, उससे भी सहमत हूं तथा भाई अरुण जेटली जी ने भी कहा है, उससे भी सहमत हूं। मैं यह भी बताना चाहता हूं कि संसद में यह मेरा चौदहवां वर्ष है, मुझ से इस तरह की कोई घटना नहीं हुई है। आज सदन में जो कुछ भी हुआ है, वह भावनाओं के अतिरेक में हुआ। वह इसलिए हुआ कि कभी भी हमारे माइनोरिटीज के ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : प्लीज़-प्लीज़, बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)... बोलने दीजिए ...(**व्यवधान**)...

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा) : ...(**व्यवधान**)... आप लोग अलग हैं ...(**व्यवधान**)... आप लोग अलग हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : पाणि जी ...(**व्यवधान**)... प्लीज़ ...(**व्यवधान**)... पाणि जी ...(**व्यवधान**)... आप लोग जरा मेहरबानी करके बैठ जाइए ...(**व्यवधान**)...

श्री रघुनन्दन शर्मा (मध्य प्रदेश) : आप लोग ...(**व्यवधान**)...

श्री अमर सिंह : हम ऐसी कोई बात नहीं कहेंगे ...(**व्यवधान**)... शर्मा जी, ऐसी कोई बात हम नहीं कहेंगे ...(**व्यवधान**)...

श्री रघुनन्दन शर्मा : अपनी सीट छोड़कर कौन आया था? ...(**व्यवधान**)...

श्री अमर सिंह : आप मेरी बात सुन लीजिए ...(**व्यवधान**)... मैं ऐसी कोई बात नहीं कहूंगा जिससे और गड़बड़ हो। आप हमें सुन लीजिए, उसके बाद आप हमें प्रताड़ना देना चाहें तो दे लीजिएगा। मैं यह नहीं चाहता था कि सदन में ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : अब आप उसमें मत जाइए, आपको जो कुछ कहना है, जल्दी से कह दीजिए, हमारे और भी लोग हैं।

श्री अमर सिंह : मैं यह कह रहा हूं कि जो हमारे संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, जो हमारे नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हम लोग आपस में बैठकर बात कर लें, मैं सुरेंद्र जी के पास इसलिए गया था, क्योंकि सुरेंद्र जी हमारे सहपाठी रहे हैं। हम लोग साथ पढ़े हैं, वे हमारे पुराने मित्र हैं ...(**व्यवधान**)... मैं इन्हें ...(**व्यवधान**)... आप मेरी बात सुनिए ...(**व्यवधान**)... मैंने इसलिए जगह छोड़ी, मैं अधिकार के साथ गया था कि ये नारे मत लगवाओ, बात ज्यादा बढ़

गई, लेकिन मैं अपने पुराने मित्र से, जो हमारे सहपाठी रहे हैं, हम लोग एक साथ कांग्रेस में रहे, छात्र आंदोलन में साथ रहे, हमने एक साथ पढ़ाई-लिखाई की है ...(**व्यवधान**)... मैं साफ कह रहा हूं ...(**व्यवधान**)... मैंने अपने व्यक्तिगत निजी संबंधों का उपयोग करते हुए ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती वृंदा कारत (पश्चिमी बंगाल) : सर, इनका यह मतलब है कि ट्रेनिंग एक ही जगह पर हुई।

MR. CHAIRMAN : Please don't...

श्री अमर सिंह : मैं उन्हें समझाने गया था, लेकिन एक दुखद घटना हो गई। अगर इस घटना से कुछ रोष पैदा हुआ है तो मैं इसके लिए अपने पुराने मित्र से, सहपाठी से, सुरेंद्र से कहता हूं कि उसे भूल जाए। उनसे कहता हूं कि "बीती ताहि बिसार के आगे कि सुधि ले।" मैं अपनी भावनाओं से पहली बार भटका हूं। मैं उन पर नियंत्रण रखने की कोशिश करूंगा। बहुत-बहुत धन्यवाद। ...(**व्यवधान**)... मैं खेद व्यक्त करता हूं और आप लोगों से भी अनुरोध करता हूं कि ऐसा प्रोवोकेशन मत कीजिए। मैं आपसे ऐसा अनुरोध करता हूं कि आप नारे मत लगाइए, चाहे और कुछ कीजिए।

श्री सभापति : ठीक है अमर सिंह जी। अहलुवालिया जी, आप कुछ कहना चाहते हैं?

श्री एस. एस. अहलुवालिया: सभापति जी, आपने पीठासीन अधिकारी के रूप में जो क्षोभ व्यक्त किया है, वह स्वाभाविक है। मेरा संसद में यह बाइसवां वर्ष है। मैंने बहुत सारे पतझड़, बहुत सारी वर्षा ऋतु, बहुत सारी वसंत ऋतु, सभी कुछ यहां गुजारा है। मैं समझता हूं कि आज जो कुछ हुआ, यह दुर्भाग्यजनक है। ऐसा नहीं होना चाहिए था। यह बात सही है कि अमर और मैं, दोनों एक साथ कलकत्ता विश्वविद्यालय में पढ़े हैं ...(**व्यवधान**)... कलकत्ता से पढ़े हैं। वे उत्तर प्रदेश में बस गए, मैं बिहार में बस गया। मैं बिहार से सांसद हुआ, वे उत्तर प्रदेश से सांसद हुए। हम लोग छात्र राजनीति ...(**व्यवधान**)... एक बात सुन लीजिए ...(**व्यवधान**)... हम लोगों ने छात्र राजनीति एक साथ शुरू की थी, मताविरोध हो सकता है, मत पार्थक्य भी हो सकता है, हम दोनों का लक्ष्य भी दूसरा हो सकता है, पर आज जो कुछ हुआ, वह नहीं होता तो बहुत अच्छा होता। ऐसा आइन्दा से न हो तो और अच्छा हो, यही कल्पना करते हुए मैं आप लोगों से इजाजत चाहूंगा।

MR. CHAIRMAN: Thank you very much. Can we now get on with the business of the day?

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka): Definitely Sir. It is very easy to say sorry and then move ahead. But already the damage has been done. I am not going into that. Sir, my point is, sometimes it really pains us. When, we senior Members of the House give a notice on a burning issue, you must at least have the courtesy that some response has to be given. You have been kind enough in the morning. The Chair has been kind enough to permit me to...

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: I rose to give a response, Sir, but at that time I was not perhaps permitted to say a word.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: That is what I am saying. My point is, we do not normally raise an issue every time and then ask for permission. When we raise an issue concerning the Council of States and that too a burning problem, after all, the Government is expected to respond in whatever manner it feels and then, the House can decide. This is an important issue. I request you to please

tell the Government to see that it is discussed at the earliest and fix up some time on this. Suppose, had this Report been placed on the Table of the House on the first day of the Session, all this would not have happened. Why is the Government doing like this? I am not able to understand.

MR. CHAIRMAN: I am sure, the Government will take it seriously.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, at least, even now, the hon. Minister can respond what is happening on Mr. Madhu Koda.

श्री पवन कुमार बंसल : सर, उन्होंने prompt कर दिया। अगर साथ के शब्द वे नहीं लगाते, तो मुझे पता नहीं लगता कि वे किस बात के लिए कह रहे हैं ...(**व्यवधान**)... शायद नजमा जी ने prompt किया है। मैं इतना बताना चाहता हूं कि इन्होंने काउंसिल ऑफ स्टेट्स का ज़िक्र करके शायद उसमें कोई distinction करने की कोशिश की है। मैं उस बात में नहीं जाना चाहता कि पार्लियामेंट को किन बातों के ऊपर आपस में चर्चा करनी है, लेकिन मधु कोड़ा के विषय पर मैं इतना कहना चाहता हूं कि इस वक्त वह Income Tax और Directorate of Enforcement के तहत investigation की स्टेज पर है और वह स्टेज नहीं है कि उस पर पार्लियामेंट किसी तरह discuss करे, लेकिन मैं माननीय सदस्य को यह विश्वास दिलाना चाहता हूं कि law will take its own course. बिल्कुल ठीक ढंग से उसमें जिस चीज़ की जरूरत है, उस हिसाब से होगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रकाश जावडेकर (महाराष्ट्र) : आप anti corruption में FIR करेंगे, तो वे गिरफ्तार हो जाएंगे।

श्री पवन कुमार बंसल : आप न्यूज आइटम पर ज्यादा जा रहे हैं। मैं आपको जो बात कह रहा हूं, वह हाउस में कह रहा हूं कि that is under investigation and please let the investigation proceed impartially and fairly which we would do ...*(Interruptions)*...

श्री बलबीर पुंज (उड़ीसा) : सर, क्वात्रोच्ची वाले मामले में भी तो law was taking its own course.

श्री पवन कुमार बंसल : वैसे तो कई मामले और निकलते रहेंगे ...(**व्यवधान**)...

(MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, I am not going into the details. My request to the Chair is: please fix up time to discuss this particular issue in a structured manner. We have given a specific notice on this. Surely, our...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Venkaiah Naidu, the Business Advisory Committee has discussed this and we have agreed in the BAG...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: No, Sir.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, yes. It is discussed. It is one of the subjects.

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, that discussion was under corruption. Sir, we are not interested to discuss corruption right from Kanyakumari to Kashmir and Kutch to Kohima. We can discuss that separately. But, this is a State matter. I belong to Jharkhand State. The corruption has taken place in Jharkhand. Sir, taking plea from the Minister of Parliamentary Affairs saying that it is under

investigation. ..*(Interruptions)*... When Harshad Mehta's case and Kethan Parekh's case were under investigation, the discussion was started on the floor of the House and a JPC was constituted. It is not like that.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ahluwaliaji, please listen to me.

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, it is not like we never discussed such matters. It is a matter of serious concern for a tribal State ...*(Interruptions)*...This is to be discussed first. ...*(Interruptions)*...Sir, Rs. 12,000 crores have been siphoned. ...*(Interruptions)*... All the newspapers and magazines are coming out with copies of the diary. ...*(Interruptions)*...We wanted to know who are those beneficiaries. The point is simple.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ahluwalia, please.

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, the point is very simple. Copies of diaries are produced by magazines and the names have been mentioned about the senior leaders of the main political parties and officers. We want to know that. We want to know who the beneficiaries of this scam are.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ahluwalia, I would like to remind you. You are a Member of the BAC. I would not like to divulge whatever has transpired in the BAG. But, after a detailed discussion, including on this issue which you have raised, a consensus was arrived at the BAG that we will discuss on the overall issue of corruption in which this matter can also be taken up.

SHRI SITARAM YECHURY (West Bengal) : Sir, to assist you, I would like to say that in the BAC...

SHRI S.S. AHLUWALIA: How a photocopy of the diary seized by the Enforcement Department is appearing in magazine and newspaper? I would like to know the names of senior political leaders or Ministers. I want to know. This is the right of the Council of the States. The House wants to know the facts and whom they wanted to protect. I have an apprehension that before you detect something, they are going to eliminate him. That is why I want to raise this issue. Why don't you discuss this matter first?

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, in the BAC, if you remember, four issues were raised regarding corruption. One, of course, was with regard to Madhu Koda and this whole thing. The other one was dropping of the case against Quattrocchi and sealing the Bofors scandal. Third one was on Spectrum scandal and the fourth one was on the mining scandal that is taking place in various parts of Karnataka. So, all these four issues are important. And, therefore, we have decided to have a discussion on these four issues.

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, it is not possible to discuss all these issues under one discussion, because four different Ministers are involved in this. How can you do it under one discussion?

SHRI SITARAM YECHURY: So, you decide, Sir, which way these four issues should be discussed. But these need to be discussed. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Short Duration Discussion on 'corruption' has been admitted. It has been decided. I would only urge upon the hon. Members to participate in it when it is listed.

SHRI M. VENKA1AH NAIDU: How can we discuss all the four issues in one go? How many hours. ...*(Interruptions)*... Jharkhand is under President's rule and we are duty-bound to discuss it. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You can discuss it when the Jharkhand Budget comes. ...*(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA: We would not like to discuss with the Jharkhand Budget. We will not pass the Jharkhand Budget unless. ...*(Interruptions)*...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: This is a very serious discussion. We will be failing in our duty if we do not discuss it. ...*(Interruptions)*... I only urge upon the Chair not to. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Naidu, you are a very senior Member. You must cooperate with the Chair to see that some business is also transacted. Any amount of this sort of thing would not help. Let us transact some business. We have other platform and we will definitely discuss it. ...*(Interruptions)*... We discussed it in our daily meeting. ...*(Interruptions)*... We will discuss it. ...*(Interruptions)*... Right now this business is not here. ...*(Interruptions)*...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, I don't want that I should be allowed to speak right now. But there should be a specific and structured debate on what has happened in Jharkhand.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We will definitely take it up. We will discuss it with the Chairman and will take it up accordingly. Now, let us take up Calling Attention. ...*(Interruptions)*...

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, in the morning, it was agreed that each party would be given some time to have its say on the Ranganath Misra Report.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It has already been discussed sufficiently. Almost everything has been said.

SHRI D. RAJA: Sir, I would go by the decision of the Chair. But it was decided like that only.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I am requesting that we should close this matter now and take up the business. ...*(Interruptions)*...

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार) : सर, पहले मिनिस्टर को जवाब देना था ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ansari, your point is over. ...*(Interruptions)*... Your point is over. ...*(Interruptions)*...

श्री अली अनवर अंसारी : पहले मिनिस्टर साहब से जवाब दिलवाइए ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ansari, this is not the way. Please sit down. ...*(Interruptions)*...

श्री अली अनवर अंसारी : पहले वह जवाब दे रहे थे ...(**व्यवधान**)... पॉलिटिकल पार्टीज़ के मैम्बर दो-दो मिनट बोल लें, उसके बाद वे जवाब दे दें। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, Mr. Raj'a, you speak in one line whatever you want to say. ...*(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, you have allowed everybody. ...*(Interruptions)*...

श्री अली अनवर अंसारी : सर, आप ही ने कहा था कि पहले वह जवाब देंगे ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No; no. I cannot force the Government to give a reply. ...*(Interruptions)*... नहीं-नहीं, आप ठीक नहीं बोल रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

SHRI D. RAJA: It is not that this issue has been raised today only. It has been raised on several occasions in this august House. It is all the more necessary for the Government to come out as to when it is going to table the Report in the House because this issue is related to *dalit* Christians and *dalit* Muslims. This is agitating the minds of the minority community all over the country. Why is the Government not coming forward to place the Report? That is what we are asking. Let the Government come out with a concrete assurance in this regard. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, your one minute is over. ...*(Interruptions)*...

श्री अली अनवर अंसारी : सर, आप ही ने कहा था कि पहले वह जवाब देंगे ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : नहीं-नहीं, आप ठीक नहीं बोल रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया : उपसभापति महोदय, सुबह से रंगनाथ मिश्र की रिपोर्ट National Commission for Religious and Linguistic Minorities के बारे में चर्चा हो रही है। कई वर्ष पहले यह रिपोर्ट सरकार को दी गई है, लेकिन उसके बावजूद वह सभा पटल पर नहीं रखी गई है। लेकिन एक अखबार - चौथी दुनिया में आरटीआई के तहत यह पूरी रिपोर्ट ले कर उसे छाप दिया गया है। दुर्भाग्यजनक यह है कि यह जो सदन की कार्यवाही, विंटर सैशन शुरू हुआ है, वहां पर रिपोर्ट लीक हो रही है और उसी को लेकर यह हंगामा हुआ है। रिपोर्ट पहले सदन में आनी चाहिए, उसके बाद ही कहीं और उस पर चर्चा होनी चाहिए। इस पर पहले सदन में चर्चा होनी चाहिए थी।

हमारी पार्टी का पक्ष इस रिपोर्ट के कंटेंट्स के खिलाफ है, क्योंकि हम इस चीज़ के पक्षधर हैं कि इससे धर्मांतरण को बढ़ावा दिया जाएगा। फिर भी मैं मांग करता हूं कि यह रिपोर्ट सभा पटल पर रखी जाए और उस पर पूरी बहस हो कि सरकार की मंशा क्या है? सरकार की मंशा धर्मांतरण को बढ़ावा देने की है या उसको रोकने की है - इस विषय को सामने लाकर उस पर चर्चा की जानी चाहिए।

श्री राजनीति प्रसाद (बिहार) : सर, मैं अपनी बात एक मिनट में ही खत्म कर दूंगा। क्या यह जरूरी है कि पूरा हंगामा होने के बाद ही आप उसको टेबल करें? क्या यह जरूरी है कि अखबार में निकलने के बाद ही आप उसे टेबल करें? सर, रंगनाथ मिश्र कमीशन की रिपोर्ट आए दो वर्ष हो गए। उसे टेबल पर क्यों नहीं रखा गया? यह एक दुर्भाग्यपूर्ण बात है। उसको टेबल करने के बारे में ही नहीं, बल्कि उसमें जो action taken है, उसके बारे में भी हम लोगों को निर्णय करना चाहिए। ...(**समय की घंटी**)... यह बहुत जरूरी है।